विश्व हिन्दी परिषद

पंजी. 318469

हिन्दी बढ़े..... हिन्दुस्तान बढ़े

एस–1, द्वितीय तल, उपहार सिनेमा व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110016 ☎ 011–4102 1455, 85860 16348

vishwahindiparishadoffice@gmail.com www.vishwahindiparishad.org

डायरी सं./Diary No. 7499
दि./Dated 16.08.19

सेवा में,

प्रो.आर सी कुहाड़ जी
कुलपति
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

कार्यालय कुलपति, ह.कें.वि.
Vice-Chancellor's Office, C.U.H.

विषय: **विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सभी विषयों के शिक्षक कला वाणिज्य, विज्ञान और प्रबंध के शिक्षकों एवं विद्यार्थी, शोधार्थी को प्रतिभागिता हेतु निर्देशित करने के संबंध में ।**

महोदय,

अत्यंत ही हर्ष के साथ आपको सूचित किया जाता है कि विश्व हिंदी परिषद द्वारा महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती के शुभ अवसर पर एन.डी.एम.सी सभागार में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें आपके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को प्रतिभागी के रूप में भाग लेने का सुनहरा मौका है। महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व का आयाम इतना विशाल और विहंगम है जिसे जितने दृष्टिकोण से देखें उतने ही आयाम परिलक्षित होते हैं।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विषय "बहुआयामी गाँधी: विविध परिदृश्य" रखा गया है, जिसमें विभिन्न निर्धारित विषयों के आलेख आमंत्रित हैं साथ ही विविध विषयों के शिक्षक एवं शोधार्थी प्रतिभागी के रूप में आमंत्रित हैं।

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से यह निवेदन है कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 150वीं वर्षगांठ पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस संगोष्ठी में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशे, कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय आदि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों का प्रकाशन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रकाशक द्वारा करवाने की योजना है। सभी मामलों में सम्मेलन संयोजक मंडल का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

नोट:- पंजीकरण एवं आलेख हेतु विस्तृत जानकारी संलग्न प्रपत्र में दी गई है। स्थान सीमित है, अतः आप यथाशीघ्र विश्व हिंदी परिषद के वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। विशेष जानकारी के लिए **www.vishwahindiparishad.org** पर जा सकते है।

सधन्यवाद
सादर

बिपिन कुमार 10/08/19

डॉ बिपिन कुमार
राष्ट्रीय महासचिव
विश्व हिंदी परिषद

(मुहर: विश्व हिन्दी परिषद, पंजीकृत, नई दिल्ली)

Scanned by CamScanner

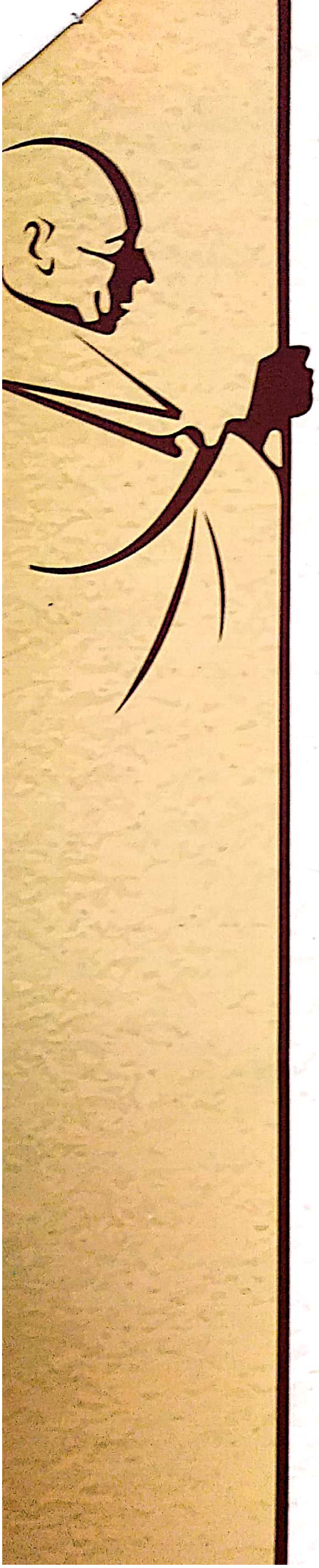

150

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती के सुअवसर पर

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एन.डी.एम.सी. सभागार, नई दिल्ली
13-14 सितम्बर, 2019

बहुआयामी गाँधी : विविध परिदृश्य

विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा | विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

एस.1, द्वितीय तल, उपहार सिनेमा व्यावसायिक परिसर, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली–110016, फोन: 011–41021455, 8586016348, 9953325434
ई–मेल: vishwahindiparishadoffice@gmail.com, वेबसाइट: www.vishwahindiparishad.org

vishwahindiparishad

85860 16348

Scanned by CamScanner

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सन्दर्भ में

गाँधी एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे समझने के लिए वैचारिकी का मजबूत होना ठीक उसी तरह आवश्यक है जैसे विज्ञान को समझने के लिए तर्क, समाज को समझने के लिए साहचर्य और संवेदना, साहित्य को समझने के लिए सृजन, राजनीति को समझने के लिए राग व विवेक, संस्कृति को समझने के लिए सद्भावना और संबंधों को समझने के लिए भावनाओं इत्यादि का होना अनिवार्य है। गाँधी के व्यक्तित्व का आयाम इतना विशाल और विहंगम है कि इसे जितने कोणों से देखें उतने ही दृष्टिकोणों का निर्माण होता है। विश्व हिंदी परिषद द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य आज के समय में वाद, संवाद और सन्देश के विमर्श में बहुआयामी गाँधी के व्यक्तित्व और कृतित्व को वैश्विक परिदृश्य में अवलोकित करने का विनम्र प्रयास है।

कतिपय उप विषय

क्र.सं.	उप विषय
1	गाँधी और राष्ट्रभाषा हिन्दी
2	गाँधी: भारतीय साहित्य और भाषा
3	गाँधी की संवाद–शैली
4	गाँधी और समकालीन पत्रकारिता
5	गाँधी के सपने और सत्य के प्रयोग
6	गाँधी का बाल समाज
7	वंचित वर्ग: गाँधी का अंतिम जन
8	गाँधी और राजनीतिक विचार विमर्श
9	गाँधी का सामाजिक चिंतन
10	गाँधी और गीता
11	गाँधी की संस्कृति
12	गाँधी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप
13	गाँधी और स्त्री
14	गाँधी और चिकित्सा
15	जन आन्दोलन और गाँधी
16	विकास और गाँधीवादी मॉडल
17	पर्यावरण और गाँधी के विचार
18	गाँधी: विभिन्न विचार
19.	गाँधी की राजनीतिक विरासत और श्रृंखला
20.	गाँधी के धर्म संबंधी विचार
21.	संरचनात्मक कार्य और गाँधी
22.	गाँधी के गाँव
23.	कॉर्पोरेट जगत और गाँधी
24.	गाँधी और समकालीन अन्य विचारक
25.	राष्ट्रनिर्माण और गाँधी
26.	गाँधी और कस्तूरबा
27.	गाँधी और स्वाधीनता आंदोलन
28.	दक्षिण अफ्रीका, सत्याग्रह और गाँधी
29.	समकालीन दक्षिण एशिया और गाँधी
30.	प्राकृतिक चिकित्सा, योग और गाँधी की जीवन शैली
31.	मानवीय दृष्टिकोण, समरसता और गाँधी
32.	बहुमुखी तथा बहुआयामी गाँधी
33.	आधुनिक विचार और गाँधी
34.	लघु एवं कुटीर उद्योग का विकास और गाँधी
35.	गाँधी के पहले और गाँधी के बाद का भारत
36.	पत्रकारिता पर गाँधी का प्रभाव: आज़ादी के पूर्व और पश्चात्

आलेख/शोधपत्र आमंत्रण

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख/शोधपत्र हिंदी तथा अंग्रेजी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से यह निवेदन है कि राष्ट्रपिता गाँधी की 150वीं वर्षगांठ पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस सम्मेलन में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशे, कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय आदि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उप विषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित आयामों पर भी आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों को ISBN नम्बर युक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है। आलेख/शोधपत्र वाचन एवं पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा जो आलेख/शोधपत्र की उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता पर निर्भर होगा।

शोध–सारांश और आलेख हेतु अनिवार्य प्रारूप

शोध सारांश की अधिकतम शब्द सीमा	350 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	31 जुलाई, 2019
शोध सारांश स्वीकृति की तिथि	05 अगस्त, 2019
पूर्ण शोधपत्र की अधिकतम शब्द सीमा	3500 शब्द
आलेख की अधिकतम शब्द सीमा	1000–1200 शब्द
पूर्ण शोधपत्र/आलेख भेजने की अंतिम तिथि	15 अगस्त, 2019
पूर्ण शोधपत्र/आलेख स्वीकृति की तिथि	25 अगस्त, 2019

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- संयुक्त आलेख/शोधपत्र होने की स्थिति में अलग–अलग पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
- चयनित प्रतिभागियों को ही आलेख/शोधपत्र वाचन की अनुमति दी जाएगी।
- लेखक/सह–लेखक का संक्षिप्त परिचय संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष संख्या और ई–मेल आई.डी.
- प्रथम पृष्ठ: आलेख का शीर्षक, लेखक/सह–लेखक का नाम, संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष संख्या और ई–मेल आई.डी. का उल्लेख करें
- आलेख/प्रपत्र केवल एम.एस.वर्ड फाइल के रूप में भेजें साथ में पी.डी.एफ फाइल भी भिजवाना बेहतर होगा।
- फोण्ट: यूनिकोड/मंगल (हिन्दी) तथा टाइम्स न्यू रोमन (अंग्रेजी) / बीज शब्द: 4–5
- फोण्ट साइज: 12 pt-/ हाशिया सीमा: 1.5 c.m. (चारों तरफ)/ पंक्तियों के मध्य अंतराल: 1.5
- पृष्ठ संख्या: पृष्ठ के निचले हिस्से में दायीं तरफ दें
- तालिका और आवृत्ति आदि के शीर्षक का ज़िक्र उनके नीचे संख्या और स्त्रोत के साथ करें
- सन्दर्भ: APA छठा संस्करण प्रारूप (हिन्दी तथा अंग्रेज़ी दोनों)
- आलेख/शोधपत्र इत्यादि vhphelpdeskmail@gmail.com, seminarinternationalvhp19@gmail.com ई–मेल पर भेजें।

स्मारिका का प्रकाशन

दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित करने की योजना है। स्मारिका में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न उपयोगी आलेख और हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री प्रकाशित की जाएगी। इस स्मारिका में संस्थाओं/प्रतिष्ठानों का सचित्र परिचयात्मक लेख भी प्रकाशित किया जा सकता है ताकि उसके बारे में सभी को जानकारी मिल सके। यह स्मारिका अपने आप में एक उपयोगी, ज्ञानप्रद और आकर्षक माध्यम के रूप में व्यापक रूप से परिचालित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक हाथों तक इसे प्रसारित किया जा सके।

Scanned by CamScanner

पंजीकरण

प्रस्तावित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए निर्धारित शुल्क के साथ पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। प्रतिभागिता/पंजीकरण शुल्क भुगतान की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2019 होगी। सम्मेलन में भाग लेने के लिए निम्नानुसार पंजीकरण शुल्क (GST अतिरिक्त) का भुगतान अपेक्षित है:

क्र. सं.	सरकारी/गैर सरकारी संस्थान द्वारा मनोनीत प्रतिभागी	व्यक्तिगत प्रतिभागी	विदेशी प्रतिभागी
1	मंत्रालयों/सरकारी विभागों/उपक्रमों आदि द्वारा मनोनीत के लिए : 10,000/– रु. प्रति प्रतिभागी	शिक्षकों के लिए : 2000/–रु. प्रति प्रतिभागी	विदेशियों के लिए : 500/– डॉलर प्रति प्रतिभागी
2.	शिक्षण संस्थाओं/महाविद्यालयों इत्यादि द्वारा मनोनीत के लिए: 5,000/– रु. प्रति प्रतिभागी	पत्रकारों/साहित्यकारों/सामाजिक कार्यकर्ताओं इत्यादि के लिए : 1500/– रु. प्रति प्रतिभागी शोधार्थियों के लिए : 1000/– रु. प्रति प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए : 800/– रु. प्रति प्रतिभागी	दक्षिण एशियाई देशो के प्रतिभागियों के लिए : 10000/–भारतीय रु. प्रति प्रतिभागी

इस शुल्क में सत्र के दौरान चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, सम्मेलन से संबद्ध सामग्री, पैन/पैड/बैग/फोल्डर इत्यादि शामिल है। अग्रिम अनुरोध प्राप्त होने पर उपरोक्त कॉलम 2 में उल्लिखित प्रतिभागियों के लिए आवास की व्यवस्था की जा सकती है। अतः ऐसे जो व्यक्तिगत प्रतिभागी सम्मेलन के दौरान आवास की सुविधा चाहते हैं उन्हें इसके लिए पहले सूचित करना होगा और इस सुविधा के लिए निम्नानुसार अलग से भुगतान करना होगा –

वातानुकूलित व्यवस्था (प्रतिदिन) : 1000 रु. प्रति प्रतिभागी

गैर वातानुकूलित व्यवस्था (प्रतिदिन): 500 रु. प्रति प्रतिभागी

प्रतिभागिता/पंजीकरण शुल्क का भुगतान हमारी वेबसाईट **www.vishwahindiparishad.org** पर जाकर ऑनलाइन या **NEFT/RTGS** अथवा विश्व हिंदी परिषद के नाम नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किया जा सकता है। भुगतान संबंधी रसीद प्रपत्र के साथ **vhphelpdeskmail@gmail.com, seminarinternationalvhp19@gmail.com** पर मेल करें और इसकी मूल प्रति संगोष्ठी के दिन अपने साथ अवश्य लाएँ।

विश्व हिंदी परिषद का बैंक विवरण (NEFT/RTGS के लिए)

खाताधारक का नाम	:	Vishwa Hindi Parishad
खाता संख्या	:	3530981703
बैंक का नाम	:	Central Bank of India
शाखा का नाम	:	Green Park
IFSC Code	:	CBIN0280305
MICR Code	:	110016022

सम्मान एवं पुरस्कार

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है। ये पुरस्कार उच्च स्तरीय मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व के आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों/व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के करकमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं/कार्यालयों को सम्मानित/पुरस्कृत करने की योजना है:–

1. श्रेष्ठ 10 शोध–पत्र /आलेख प्रस्तुतियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा
2. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए क्रमशः दो–दो व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।
3. भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार (इसके लिए सरकारी कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ में विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में 5000/ : का प्रविष्टि शुल्क जमा करना होगा। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा।
4. पुरस्कारों के निर्धारण में मूल्यांकन समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

आयोजन समिति (आयोजक के सन्दर्भ में)

विश्व हिन्दी परिषद लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्राणित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर, भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास में जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है। हिन्दी प्रचार–प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, हिन्दी अधिकारियों, स्वयंसेवियों, कर्मचारियों एवं हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके एवं उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह संस्था विगत दो दशकों से अपनी कर्मठ भूमिका निभा रही है।

इसका उद्देश्य समाज–सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, सरल एवं सुबोध तथा क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को लेकर जीवंत हिन्दी बनाना है क्योंकि मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की बहुआयामी भूमिका है। यह हिन्दी प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय–समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके कर्तव्य को याद दिलाती है और उनमें दायित्व बोध को जागृत कराती है। इसके द्वारा हिन्दी की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। विश्व हिन्दी परिषद का मुख पत्र 'विश्व हिन्दी' पत्रिका के माध्यम से विविध विषयों पर हिन्दी में विचारोत्तेजक लेखों का प्रकाशन भी करती है और युवाओं तथा नव प्रतिभाओं को आत्माभिव्यक्ति का व्यापक मंच भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं, सामाजिक–सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक विस्तार करना ही विश्व हिंदी परिषद का मुख्य ध्येय है।

Scanned by CamScanner

सम्मेलन स्थल के निकट प्रमुख दर्शनीय स्थल

सम्मेलन स्थल कनॉट प्लेस में है, जहाँ घूमने और देखने के स्थान चाहे ऐतिहासिक हों या धार्मिक चाहे शॉपिंग के हों या खाने–पीने और मौजमस्ती के लिए, किसी की भी वहाँ कमी नहीं है। कनॉट प्लेस में आपको सब कुछ मिल जाएगा। कनॉट प्लेस को 'राजीव चौक' के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली की सैर करनी हो तो उसकी शुरुआत कनॉट प्लेस से ही करनी चाहिए। इसे 'दिल्ली का दिल' भी कहा जाता है। कनॉट प्लेस के 'सेन्ट्रल पार्क' में शाम के समय फव्वारे और लाइटें बहुत खूबसूरत लगते हैं। कनॉट प्लेस का सेन्ट्रल पार्क, राजीव चैक मेट्रो स्टेशन के एकदम ऊपर बना है। कनॉट प्लेस 'नई–दिल्ली रेलवे स्टेशन' के बहुत नज़दीक है। राजीव चौक के अलावा 'बाराखंभा रोड' और 'जनपथ मेट्रो स्टेशन' भी कनॉट प्लेस के नज़दीकी मेट्रो स्टेशन हैं।

कनॉट प्लेस के ऐतिहासिक स्थलों में 'जंतर–मंतर' और 'अग्रसेन की बावली' प्रमुख हैं। कई फिल्मों में दिखाई देने के कारण यह युवाओं का पसंदीदा स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक 'हनुमान मंदिर' और प्रसिद्ध 'बंग्ला साहब गुरुद्वारा' भी दर्शनीय हैं।

कनॉट–प्लेस में स्थित खादी–ग्रामोद्योग भवन में खादी से बने खूबसूरत कपड़े मिलते हैं। यहाँ कुटीर उद्योग का सामान भी मिलता है। कनॉट प्लेस का 'इनरसर्कल' और 'पालिका बाज़ार' शॉपिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं। यहाँ दुनिया के बड़े–बड़े ब्रांड भी मिल जाएँगे। जनपथ स्थित मिनी मार्किट में कम कीमत में बेहतर शॉपिंग की जा सकती है। मुगलई और नॉनवेज खाने के शौकीनों के लिए 'काके दा होटल' अच्छा विकल्प है। साउथ इंडियन खाने के शौकीनों के लिए 'सरवन भवन' पर हर प्रकार के डोसे उपलब्ध हैं। बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर स्थित 'कॉफी होम' पर कॉफी पीना न भूलें। 'स्ट्रीट फूड' के शौकीन पालिका बाज़ार का जायका ले सकते हैं। जबकि एक से एक 'क्वालिटी रेस्टोरेंट' भी यहाँ उपलब्ध हैं।

सम्मेलन स्थल

एन.डी.एम.सी. कन्वेंशन हॉल का परिचय

यह दिल्ली के बेहतरीन, अत्याधुनिक तथा नवीनतम उपकरणों व तकनीक से युक्त प्रसिद्ध सभागार है। भारत सरकार तथा विभिन्न मंत्रालयों के प्रमुख आयोजन प्रायः यहीं सम्पन्न होते हैं। यह कनॉट प्लेस में जंतर मंतर के सामने स्थित है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है। इसके निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन पटेल चैक तथा राजीव चौक हैं। यहाँ दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंग की सुविधा के लिए स्टूडियो उपलब्ध है। इसमें सभी प्रमुख बिंदुओं पर सी.सी.टी.वी. की व्यवस्था है। इसमें लगभग 1000 लोगों के बैठने की सुविधा है। इसमें एक मुख्य सभागार तथा दो लघु सभागार हैं। समानांतर सत्र संचालन के लिए उचित व्यवस्था है। इसमें ऐसे अनेक कक्ष हैं जहाँ बैठक की जा सकती है। ध्वनि, प्रकाश, चित्र व्यवस्था के लिए अनुकूल सुविधाएँ विद्यमान हैं। जलपान एवं भोजन सत्र के लिए स्वतंत्र 'जलपान स्थल' उपलब्ध हैं। अत्यधिक सुंदर, भव्य, आकर्षक, नवीनतम, तकनीकीयुक्त यह कन्वेंशन सभागार बौद्धिक एवं शिक्षित वर्ग के लिए आकर्षण तथा जिज्ञासा का केंद्र है। इस सभागार में सम्मेलन का आयोजन स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है।

सम्मेलन समिति

मुख्य संरक्षक

श्री इंद्रेश कुमार
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

संरक्षक

श्री आर के सिन्हा
राज्यसभा सांसद

श्री के सी त्यागी
महासचिव, जद (यू)

मार्गदर्शक

श्री के के गोयनका
उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिंदी संस्थान

श्री राम शरण गौड
अध्यक्ष, दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी

परामर्श मंडल

माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी (राज्यपाल, प. बंगाल)	प्रोफेसर हरिमोहन शर्मा
आचार्य चंद्र	प्रोफेसर गोविंद सिंह
डॉ. प्रदीप शर्मा	डॉ॰ मंजू राय
डॉ. रामबहादुर राय	प्रोफेसर नंद किशोर पांडे
डॉ. विनोद मिश्र (मॉरीशस)	प्रोफेसर बाबू जोसेफ
डॉ. कौशल कुमार श्रीवास्तव (आस्ट्रेलिया)	प्रोफेसर संजीव भानावत
डॉ. अनिल कुमार सिंह	प्रोफेसर रामजीलाल जांगिड़
डॉ. गिरिराज शरण अग्रवाल	प्रोफेसर एस.के. मीना
डॉ. चितरंजन कार	प्रोफेसर श्योराज सिंह बेचैन
प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र	श्री अरविंद मोहन
प्रोफेसर के.जी. सुरेश	श्री गिरीश पंकज
प्रोफेसर अनिल अंकित राय	श्री रमेश चंद शर्मा
प्रोफेसर सूर्यप्रसाद दीक्षित	कर्नल आर.एस. चौहान

आयोजन समिति

प्रो. विनय कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष	डॉ. कंचन शर्मा
प्रो. प्रदीप कुमार सिंह, उपाध्यक्ष	प्रो. शाहिद अली
प्रो. जंग बहादुर पांडेय, उपाध्यक्ष	डॉ. वंदना झा
प्रो. (डॉ.) भरत सिंह, उपाध्यक्ष	डॉ. वी.के. बघेल
प्रो. पुष्पा रानी, उपाध्यक्ष	डॉ. बीना बुदकी
प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा	डॉ. विजय कुमार संदेश

मुख्य समन्वयक

डॉ. विपिन कुमार,
महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद

सम्मेलन संयोजिका

डॉ. माला मिश्र,
दिल्ली विश्वविद्यालय

सम्मेलन संबंधी नवीन सूचनाओं के लिए कृपया विश्व हिन्दी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.org देखते रहें।

पंजीकरण आवेदन पत्र और प्रपत्र की मौलिकता के प्रारुप तथा आवास सुविधा हेतु निर्धारित प्रारूप
विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें: 011–4102 1455, 8586016348, 9953325434

Scanned by CamScanner